



मलाइका
अरोड़ा ने ट्रोलर्स
को दिया ...
पेज 10 पर

राष्ट्रीय नवीन मेल

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित



www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • वैशाख शुक्ल पक्ष 08 • विक्रम संवत् 2080 • शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023 • वर्ष-29 • अंक-192 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00



हेमन्त सरकार का संवेदनशील प्रयास जीवन रक्षा को मिली उड़ान



झारखण्ड की जनता के लिए पहली बार
एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ

०५० — मुख्य अतिथि — ०५०

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड



दिनांक - 28.04.2023 | समय - अपराह्न 01:00 बजे
स्थान - स्टेट हैंगर, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची

रांची तथा

देवघर	दुमका
बोकारो	धनबाद
जमशेदपुर	गिरिधील
एयरपोर्ट पर भी एयर एम्बुलेंस सेवा होगी उपलब्ध	

अधिकातम दो घंटे में

एयर एम्बुलेंस उड़ान हेतु होगा
तैयार।
आपातकालीन उपकरणों सहित
चिकित्सक के साथ सेवा होगी
उपलब्ध

नागर विमानन प्रभाग से संपर्क करें -

₹ +91 82105 94073

₹ 0651-4665515

✉ airambulance.cad@gmail.com

सिमडेगा पुलिस लाइन के समीप भीषण सड़क हादसे में एक की मौत

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा सिमडेगा पुलिस लाइन के समीप गुरुवार को भीषण सड़क हादसे में टीवीएस सवार व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृत व्यक्ति की पहचान बंगल तेली टोली निवासी राजू साहू के रूप में हुई। बताया गया कि राजू साहू सिमडेगा बाजार सड़ी खरीदने गया था और अपनी टीवीएस बाइक से चापस आ रहा था। इसी दौरान पुलिस लाइन के समीप सड़क पर करने के दौरान तीव्र गति से आ रही एक मालवाहन ट्रक ने अपनी चेट में ले लिया। घटना इतनी जोरावर रही कि राजू साहू की टीवीएस के परखच्चे उड़ गए एवं राजू साहू का



शरीर कई टुकड़ों में बिखर गया। इधर एवं टीवीएस को भी अपने कब्जे में मामले की जानकारी मिलने के बाद तल्काल सिमडेगा थाना प्रभारी इस्पेक्टर रवि प्रकाश दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं शव सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। पुलिस द्वारा सुचारू रूप से कारने, पथर खनन करने और ईंट-भट्ठों पर की गई कार्रवाई के संबंध में पूछताछ की गई। इधर दुर्घटनास्त्ररत वर्षा के बायावात को सुगम बनाया।

NEWS इन ब्रीफ

जय श्री राम समिति ने ब्लड डोनेट किया

लोहरदगा। सदर अस्पताल में भर्ती एक गरीब व जरूरतमंद मरीजों को गुरुवार को जय श्री राम समिति के सदस्य अभियन भगत ने तल्काल ब्लड डोनेट कर इलाज में मदद की। बताया गया कि, शहर के परास टोली निवासी पीटर कुरुजा को पुत्र अमित किंवदं जो ब्लड डोनेट की जरूरत डॉकरों ने बताई। मरीज के परिजनों ने जय श्री राम समिति से संपर्क किया।

समिति द्वारा तल्काल ब्लड डोनेट कराया किया। मौके पर समिति नगर अध्यक्ष दीपक साहू ने कहा कि जीवन और मौत के बीच के फासों को दूर करना हमारा लक्ष्य है। मौके पर नगर अध्यक्ष दीपक साहू महामंत्री संजय पासवान, लाल नितेश नाथ सादेव, सूरज नाथ साहदेव आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान
भंडा। लोहरदगा बेडों मुख्य पथ के भंडा मसमानों में मुख्य पथ के भंडा पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया तो वाहन स्वामियों में हड्डीकंप मच गया। इस दौरान पुलिस ने दर्जनों बाइक व चार परियों वाहनों की जांच की। हेलमेंट नवीं पहने वाले बाइक चालकों को हिदायत देकर छोड़ा गया। इस दौरान पुलिस ने सारियों की भी तलाशी ली। भंडा पुलिस ने थाना प्रभारी गौतम से चलाया वाहन चेकिंग अभियान चलाया वही इस दौरान पुलिस ने सर्वियों व उनके सामान की भी तलाशी ली। हाल कुछ भी पुलिस के हाथ नहीं लगा।

नवोदय विद्यालय परीक्षा में शामिल होंगे 2529 परीक्षार्थी
सिमडेगा। जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा छठ के लिए चयन परीक्षा का आयोजन 29 अप्रैल को सात कोंडों में संपन्न होगी। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। प्राचार्य बीपी गुरुता ने बताया कि परीक्षा को लेकर जिला मुख्यमंत्री विद्यालय स्थित संत मेरिज हाई स्कूल, यूसू सामाजिक संस्कृति एवं अंसारी स्कूल, संत अन्ना स्कूल, डॉटी, एसएस +2 हाई स्कूल एवं कंड्रीय विद्यालय को केंद्र बनाया गया है।

एससीए की बैठक में शहर में सीसीटीवी का सर्वे कराने का निर्देश नंदिनी डैम के पास बनेगा पार्क

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा उपायुक्त डॉ. वाधमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में एससीए की बैठक समाहरणालय सभागार में हुई। इसमें सहायक खनन पदाधिकारी को स्टोन खनन के डॉमेन्स अपर के संबंध में निर्देश दिया गया कि किसी क्षेत्र में खनन की आवश्यकता और उसका पवर्यरण पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए। सभी अचलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि पंचायत स्तर से बाल प्राप्त करने वाले की स्सीद प्राप्ति समय अवश्य फोटोग्राफी करा ली जाय और एक रजिस्टर पर उसकी छाँटी हो। अंचल अधिकारी फोटो के साथ रजिस्टर का मिलान कर उसको सत्यापित करें। उपायुक्त द्वारा सहायक खनन पदाधिकारी को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए।



संबंधित शॉट टर्म के कोर्स भी लिए गये। इसके साथ ही योजना पदाधिकारी को समन्वय स्थापित किये जाने का निर्देश दिया गया। कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, लोहरदगा में नये बैच के स्थिति की जिसमें योजना एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी को मरम्मती के लायक सीसीटीवी को सुधारने के लिए योजना तैयार किया जाने के लिए योजना का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त द्वारा बैठक में एससीए अंतर्गत पहले से क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा की गई और स्टैटिप्रेट के संबंधित के लिए की गई।

कुट्टू प्रखण्ड में डेवरी प्लांट और जेएसएलपीएस अंतर्गत दीपी कैफे के लिए भंडा प्रखण्ड में डेवरी प्लांट और उपर्योग करने के लिए योजना नहीं कुट्टू में स्ट्रीट लाइट की चिन्हण संबंधित प्रखण्ड के लिए योजना का निर्देश संबंधित एक कार्रवाई की जाएगी।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

नीति आयोग से प्राप्त राशि का पेशराव व किसको में जनजातीय समूहों के लोगों के लिए आयोगिक योजना में संबंधित योजना को लेकर जारी किया गया।

कुट्टू प्रखण्ड में डेवरी प्लांट और जेएसएलपीएस अंतर्गत दीपी कैफे के लिए योजना में योजना नहीं कुट्टू में स्ट्रीट लाइट की चिन्हण संबंधित प्रखण्ड के लिए योजना का निर्देश संबंधित प्रखण्ड के लिए योजना का निर्देश संबंधित एक कार्रवाई की जाएगी।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर जारी किया गया।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर जारी किया गया।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर जारी किया गया।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर जारी किया गया।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर जारी किया गया।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर जारी किया गया।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर जारी किया गया।

आर रामकुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अवरिंद कुमार, उप विकास अयुक्त, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं एक विद्वान प्रोफेसर और पैदावारी अंसारी एवं एक विद्वान प्रोफेसर और उसकी पैदावारी के लिए योजना नहीं हो पाने वाले खराब सीसीटीवी की समीक्षा की गई।

योजना का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजना को लेकर ज

- ठाकुरजी

08

शहादत व मुआवजा

सावधानी हरी, दुर्घटना घटी। यह बातें छत्तीसगढ़ में देखने को मिली। नक्सलियों के आईडी धमाके में डीआरजी के 10 जवान और एक बाल चालक शहीद हो गये। ऐसे में सबल उठता है कि इन्होंने बड़ी चुकौ कैसे हो गयी? जबकि सबको पता है कि वह इलाकों में नक्सलियों का अभ्यास है। साथ ही वह भी पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों ने पहले से ही विस्फोटक बिछा रखे हैं। ऐसे में जवानों ने इन गासों का चयन क्यों किया। साथ ही इस बात की पक्की जानकारी थी कि नक्सली व्यापार होता है। नक्सलियों के खिलाफ अभ्यास के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा। जवानों की शहादत यह बताते के लिए काफी है कि उन्होंने जिस तरीके से शहादत प्रथम दृष्ट्या दिखाती है। अब जांच के बाद पता चलेगा कि गलती कहाँ हुई है। बहुमाल यह घटना काफी दुखद है। जिसकी जिती भी निंदा की जाये कम है। ऐसे में ऐसी घटनाओं से सबक लेने की जरूरत है। वैसे भी यह इलाका पूरे देश में नक्सली घटनाओं के लिए जाना जाता है। इसका पूर्व भी दर्तेवाड़ा में कई पुलिसकर्मियों ने शहादत दी है। बुधवार के विष्पोर्ट दिना जबरदस्त था कि जिस जगह पर आईडी विस्फोट किया गया, वहाँ बड़ा गङ्गा बन गया है। वहाँ, जिस पिकअप वाहन से जवान जा रहे थे, धमाके में उसके परखच्चे उड़ गये। छत्तीसगढ़ के दर्तेवाड़ा जिले के थाना अरनपुर क्षेत्र के अंतर्गत माओवादी कैडर की उपस्थिति की जानकारी पर नक्सल विरोधी अभ्यास चलाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि नक्सलियों ने जिस सङ्कर बाबूली सुरंग बनार्ह वह दर्तेवाड़ा से सुकूपों के जागरूक इलाकों को जोड़ती है। ऐसे में नक्सलियों के काबूले के कारण इस सङ्कर को बढ़ दिया गया था। गोपतलब है कि इस सङ्कर के लिए कई जवानों ने अपनी शहादत दी है। इस वारदात के बाद प्रशासन की लापरवाही सामने आयी है, जिसे कि सुरक्षाकर्मियों ने प्रोटोकॉल को नहीं माना। वहाँ, हमले से पहले पुसिकर्मियों के काफिले के रूट की चेकिंग और रोड ऑपरेशन पेटोलिंग नहीं की गई थी। जिस जगह यह नक्सली हमला हुआ है, वह जगह राजधानी रायपुर से लगभग साढ़े 450 किलोमीटर दूर है। इस इलाके में जो सबसे नजदीकी पुलिस थाना है, वह लंबे से सिफ के किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। ऐसे में वहाँ की सरकार को इसका जावाब देना ही जाहिए कि इलाके को प्रशासन की लापरवाही की साथी रायपुर से लगभग 450 किलोमीटर दूर है। बेक्षेष होकर दोनों राज्यों के नक्सली एक राज्य से दूसरे राज्य में आया जाया करते हैं। छत्तीसगढ़ की घटना का सीधा असर कुछ दिनों के बाद ज्ञारखेंड में भिन्न दिखे लगता है। इस स्थिति में ज्ञारखेंड में खालीपान की तरफ जारी रही है। जबकि इनकी उपस्थिति हीरान करने वाली है। ऐसे में नक्सल गतिविधियों को हल्के में लेने की भी जरूरत नहीं है। कारण अब बन नक्सली जंगलों में शाति नहीं होते देना चाहते हैं। ऐसे में आइये ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ आवाज उठायें। कारण शहादत का कोई मुआवजा नहीं होता है।

नक्सलियों के खिलाफ अधियाय के लिए भेजते समय इस बात की जाये कम है। ऐसे में ऐसी घटनाओं से सबक लेने की जरूरत है। वैसे भी यह इलाका पूरे देश में नक्सली घटनाओं के लिए जाना जाता है। इसका पूर्व भी दर्तेवाड़ा में कई पुलिसकर्मियों ने देखा ही पड़ेगा। जवानों की शहादत दी है। बुधवार के विष्पोर्ट दिना जबरदस्त था कि जिस जगह पर

विराट भारतीय संस्कृति और परपारों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर टीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही इनसे हमारे अंदर, सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व कौशल, लक्ष्य निर्धारण और जोखियां लेने की विशेषता है। शताविंदियों तक भारतीय ज्ञान, अध्ययन और अध्यापन परंपरा में खेलों को समान महत्व दिया गया, व्याकूल एक सुदृढ़ व्यक्तित्व का निर्माण तभी संभव है, जब उसमें एक 'विचारशाल मप' और एक 'सुगंतित तन', दोनों नहीं हो सकता है। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

देना ही पड़ेगा।



खोलो इंडिया : परंपरा को मिला पुर्नजीवन



गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक समें जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही और विस्तार दिया गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। और इसमें भारतीय युवाओं की विशिलान आबादी को भी शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतात्रक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेलों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' परिवर्तित हो गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस परहेले ही देखते ही, खेलों की विशेषता शिखा दी जाती थी। 2019 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय

